# मुहम्मद गोरी के गुजरात एवं पंजाब विजय

गुजरात विजय :-

गुजरात का शासक भीम द्वितीय था या मूलराज द्वितीय था। गुजरात की राजधानी अन्हिलवाड़ या पाटन था। भीम युवक एवं साहसी था उसने मुहम्मद गोरी के आक्रमण का सामना वीरता के साथ किया और मुहम्मद गोरी की सेना को पराजित कर उसकी आशा पर पानी फेर दिया। गुजरात में मुहम्मद गोरी को पहली बार पराजय का मुँह देखना पड़ा और वह शासु की शक्ति से इतना अधिक आतंकित हो गया कि उसने बीस वर्ष बाद भी गुजरात पर आक्रमण करने का साहस नहीं किया।

पंजाब विजय —

गुजरात की पराजय के बाद मुहम्मद गोरी ने यह अनुभव किया कि सिन्ध तथा मुल्तान के रास्ते से भारत में प्रवेश करना उसकी एक भूल थी। 1179 ई० में उसने पेशावर पर आक्रमण किया और सरलता से उस पर अधिकार कर लिया। 1185 ई० में मुहम्मद गोरी ने लाहौर पर आक्रमण किया। लाहौर का शासक खुसरव मलिक ने बहुमूल्य उपहार और और एक पुत्र को बन्धक के रूप में रखकर अपनी रक्षा की। सरल रूप से विजय प्राप्त कर लेने से मुहम्मद गोरी की हिम्मत बढ़ी और 1185 ई० में उसने सियालकोट का किला जीत लिया। मुहम्मद गोरी के सैनिकों ने खुसरव

P.T.O.

Scanned with CamScanner

मलिक की योजना विफल कर दी। खुसरव मलिक को सुरक्षा का आश्वासन देकर मुहम्मद गोरी ने पुत्र सहित बन्दी बनाकर उसे गजिस्तान के बालाखान नामक दुर्ग में भेज दिया जहाँ उसकी हत्या 1192ई० में कर दी गई। इस प्रकार गजनी वंश के अन्तिम अवशेष को समाप्त कर मुहम्मद गोरी पंजाब विजय करने में सफल रहा। उत्तर पश्चिम सीमा क्षेत्र में अपनी स्थिति सुदृढ़ कर मुहम्मद गोरी ने अली कर्मख को लाहौर का अधिकारी नियुक्त किया। मुल्तान, सिन्ध और लाहौर की विजय के बाद भारत पर आक्रमण का रास्ता सरल बन गया।